इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूजलेटर प्रति माह 40/ रुपए
(आईएसओ 9001 : 2015 द्वारा प्रमाणित)

व्यावसायिक
उत्कृष्टता के
प्रति प्रतिबद्ध

आईआईबीएफ विजन

खंड : 10 अंक : 7 फरवरी 2018 पृष्ठों की संख्या 15

विजन : बैंकिंग और वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक शिक्षित एवं विकसित करना।

मिशन : प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।

इस अंक में

मुख्य घटनाएँ ----------2
विनियामकों के कथन----------3
नयी नियुक्तियाँ --- ---------- 5
विदेशी मुद्रा **----------5**
शब्दावली ----------6
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ----------6
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ----------6
संस्थान समाचार ----------8
नयी पहलकदमी ----------12
बाजार की खबरें ----------13

इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों/ मीडिया में प्रकाशित हो चुकी/चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की/ किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना/समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित/उल्लिखित घटनाएँ संबन्धित स्रोत द्वारा यथा-अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों/घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी भी प्रकार से न तो उत्तरदाई है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।

मुख्य घटनाएँ

केन्द्र ने निर्वाचक बांड योजना की शुरूआत की

केन्द्र ने एक ऐसी निर्वाचक बांड योजना की शुरूआत की है जिसमें दाता का नाम प्रकट किए बिना राजनीतिक दलों को स्वच्छ धन प्रवाह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। ये निर्वाचक बांड (वचन पत्र की भांति) ब्याज-रहित धारक लिखत होंगे। भारत का कोई भी नागरिक अथवा भारत में निगमित कोई भी निकाय भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की विनिर्दिष्ट शाखाओं से 1,000 रुपए, 10,000 रूपये, 1 लाख रूपये, 10 लाख रूपये और 1 करोड़ रूपये के गुणजों में कितने भी मूल्य के ये बांड खरीदने का पात्र होगा। चूंकि दाता और दानी की पहचान गुमनाम रखी जाएगी, लोग अपनी पसंद के किसी भी राजनीतिक दल को दान देने हेतु स्वतंत्र होंगे। इस योजना का लाभ उठाने के लिए दलों को निर्वाचन (चुनाव) आयोग के पास पंजीकृत होना चाहिए तथा उन्हें लोक सभा अथवा राज्य विधान सभा के हाल के आम चुनाव में पड़े कम से कम 1% मत प्राप्त होने चाहिए राजनीतिक दल इन बाँड़ों को केवल किसी प्राधिकृत बैंक में अभिहित किसी बैंक खाते के माध्यम से भुना सकते हैं, जिसके लिए प्रत्येक दल को निर्वाचन आयोग को उस अभिहित खाते के विवरण प्रस्तुत करने होंगे। उक्त योजना के अधीन निर्वाचक बांड जनवरी - अप्रैल, जुलाई और अक्तूबर महीनों के दौरान प्रत्येक माह में दस दिनों के लिए खरीद के लिए उपलब्ध रहेंगे।

निधि के निष्पादन का पता लगाने हेतु सेबी ने कुल प्रतिलाभ सूचकांक निर्धारित किए

पारस्परिक निधि (म्यूचुअल फंड) योजनाओं के निष्पादन की बेहतर तुलना करने में निवेशकों की सहायता करने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने पारस्परिक निधि गृहों से एक निर्देशचिन्ह (बेंचमार्क) के रूप में किसी सूचकांक (Index) के वर्तमान मूल्य-प्रतिलाभ परिवर्ती (PRI) जिसमें सूचकांक संघटक के केवल पूंजी अभिलाभ को शामिल किया जाता है, के स्थान पर कुल प्रतिलाभ सूचकांक (TRI) अपनाने के लिए कहा है। कुल प्रतिलाभ सूचकांक में पूंजीगत अभिलाभों के अतिरिक्त ऐसे सभी लाभांशों और ब्याजगत भुगतानों को ध्यान में रखा जाता है जो उस संघटक के समूह से सृजित होते हैं, जिनसे उक्त सूचकांक निर्मित होता है।

सेबी ने पण्य शेयर बाज़ारों को शुल्क बढ़ाने की अनुमति दी

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने पण्य (commodity) व्युत्पन्नी शेयर बाज़ारों को किसी भी संविदा के पण्यावर्त स्तर में उसी खंड में न्यूनतम प्रभार के अधिकतम दोगुने का सर्वोच्च लेनदेन प्रभार रखने की अनुमति दे दी है। वर्तमान में सर्वोच्च और न्यूनतम लेनदेन प्रभार के लिए अधिकतम अनुमेय अनुपात 1.5:1 है।

सेबी ने सूचीबद्ध कंपनियों की ''व्यवस्था योजना'' से संबन्धित नियमों को आसान बनाया

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने सहायक कंपनियों और उनके प्रभागों सहित सूचीबद्ध फ़र्मों उपक्रमों की व्यवस्था योजना (scheme of arrangement) अर्थात विलयन एवं अलगाव के संबंध में प्रकटन, प्रवर्तकों के अवरुद्ध शेयर तथा सूचीकरण से संबंधित अनुपालन आवश्यकताओं को शिथिल कर दिया है। इस मुहिम का उद्देश्य मसौदा योजनाओं पर कार्रवाई में तेजी लाना है।

विनियमकों के कथन

भारतीय रिजर्व बैंक बैंक खजाने को हमेशा नहीं उबार सकता

हाल ही में एक वक्तव्य के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर डा॰ विरल आचार्य ने

कहा है कि बांड प्रतिफलों में तीव्र वृद्धि से आश्चर्यचकित होने की बजाय बैंकों को इस

जोखिम से अपेक्षाकृत अच्छी तरह से परिचित होना और उसे समझना चाहिए, विशेषत: इसलिए क्योंकि यह पहली बार होने वाली घटना नहीं है जब बांड के प्रतिफलों में वृद्धि हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्टों (FSRs) में ब्याज दर में इस प्रकार की भारी बढ़ोतरी का बैंकों की पूंजी और लाभप्रदता पर पड़ने वाले प्रभाव का नियमित रूप से उल्लेख किया किया जाता रहा है।

अनर्जक आस्तियों को रोकने के लिए समुचित जोखिम मूल्य-निर्धारण की आवश्यकता

भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर श्री एन॰ एस॰ विश्वनाथन ने कहा है कि बैंकरों के लिए प्रसंविदाओं (covenants) को कठोरतापूर्वक प्रवर्तित करके, उनके जोखिमों का उपयुक्त रीति से मूल्य-निर्धारण करके तथा उनके उधारकर्ताओं के साथ आसन्न दबाव के जमावड़े के संबंध में समयपूर्व चेतावनी संकेतों पर अनुक्रिया करके अपने हित को संरक्षित करना आवश्यक है। ऋण विश्लेषण से उधारकर्ताओं और ऋणदाताओं के बीच सूचना की असममिति में कमी आनी चाहिए। किसी लेनदार द्वारा ऋण स्वीकृत करने का निर्णय ले लिए जाने पर उसके बाद उन्हें प्रभारित किए जाने वाले जोखिम-समायोजित ब्याज दर का निर्धारण कर लेना चाहिए। उन्होंने ऋणदाताओं द्वारा उनके देनदारों के व्यवसाय चक्र को समझे जाने के महत्व पर भी बल दिया। ऋण के विशेष उल्लेख खाते (SMA) के रूप में वर्गीकृत किए जाने से काफी पहले संयुक्त ऋणदाता मंच (JLF) जैसी समन्वय व्यवस्थायें आदर्श रूप में परिनियोजित/लागू की जानी चाहिए।

नयी नियुक्तियाँ

नाम	पदनाम/संगठन
श्री दिलीप अस्बे	भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) के प्रबंध निदेशक-मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में नियुक्त

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	जिस संगठन के साथ गठजोड़ हुआ	उद्देश्य
बैंक आफ महाराष्ट्र	एविवा	एविवा के उत्पाद वितरित करने हेतु।
बैंक आफ बड़ौदा	इनवाएसमार्ट	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के बीजक भुनाने हेतु।

विदेशी मुद्रा

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियाँ

मद	26 जनवरी, 2018 के दिन बिलियन रुपए	26 जनवरी, 2018 के दिन मिलियन अमरीकी डालर
कुल प्रारक्षित निधियाँ	26,535.3	4,17,789.2
(क) विदेशी मुद्रा आस्तियां	24,999.7	3,93,743.8
(ख) सोना	1,305.5	20,421.6
(ग) विशेष आहरण अधिकार	98.0	1,544.0
(घ) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	132.1	2,079.8

स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक

फरवरी, 2018 माह के लिए लागू अनिवासी विदेशी मुद्रा (बैंक) की न्यूनतम दरें

विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की आधार दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	2.08500	2.31200	2.44000	2.50800	2.56900
जीबीपी	0.71310	0.9315	1.0894	1.2000	1.2869
यूरो	-0.24000	-0.123	0.082	0.293	0.466
जापानी येन	0.05310	0.078	0.089	0.120	0.146
कनाडाई डालर	2.06000	2.201	2.337	2.407	2.452
आस्ट्रेलियाई डालर	1.88300	2.060	2.230	2.510	2.620
स्विस फ्रैंक	-0.59500	-0.453	-0.264	-0.111	0.021

डैनिश क्रोन	-0.12960	0.0105	0.2167	0.4271	0.6205

न्यूजीलैंड डालर	1.99500	2.183	2.388	2.571	2.731
स्वीडिश क्रोन	-0.33600	-0.085	0.185	0.449	0.683
सिंगापुर डालर	1. 31000	1.565	1.750	1.895	2.003
हांगकांग डालर	1.59000	1.890	2.080	2.230	2.330
म्यामार	3.78000	3.810	3.840	3.880	3.920

शब्दावली

निर्वाचक बांड (Electoral Bonds)

निर्वाचक बांड राजनीतिक दलों को दान देने के लिए एक वित्तीय लिखत होता है। ये केंद्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत किए जाने पर अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा इच्छुक दानदाताओं को जारी किए जाते हैं, किन्तु केवल चेक और डिजिटल भुगतानों के समक्ष ही (इन्हें नकद भुगतान करके नहीं खरीदा जा सकता)। ये बांड किसी पंजीकृत राजनीतिक दल के अभिहित खाते में बांड जारी किए जाने की तिथि से निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रतिदेय होने चाहिए।

वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी

तय कीमत/नियत भाव

किसी विकल्प संविदा में तय कीमत/नियत भाव एक ऐसी पूर्व-निर्धारित कीमत होती है जो विकल्प धारक को अंतर्निहित उत्पाद को किसी विनिर्दिष्ट भावी तिथि को खरीदने/बेचने का अधिकार प्रदान करती है।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

फरवरी, 2018 माह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम का नाम	तिथियाँ	स्थल

प्रमाणित ऋण व्यावसायिकों के लिए परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	15 से 17 फरवरी, 2018 तक	आभासी
प्रमाणित ऋण व्यावसायिकों के लिए परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	15 से 17 फरवरी, 2018 तक	मुंबई
प्रमाणित खजाना व्यावसायिकों के लिए परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	16 से 18 फरवरी, 2018 तक	मुंबई
बैंकों में कृषि अधिकारी	20 से 21 फरवरी, 2018 तक	मुंबई
वित्तीय सेवाओं में जोखिम में प्रमाणपत्र हेतु परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	22 से 24 फरवरी, 2018 तक	मुंबई
प्रमाणित ऋण व्यावसायिकों के लिए परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	26 से २८ फरवरी, 2018 तक	मुंबई
अनुपालन बैंकिंग	12 से 14 फरवरी, 2018 तक	चेन्नै
प्रमाणित ऋण व्यावसायिकों के लिए परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	21 से 23 फरवरी, 2018 तक	चेन्नै
बैंकों में वसूली प्रबंधन	19 से 21 फरवरी, 2018 तक	नई दिल्ली
प्रमाणित ऋण व्यावसायिकों के लिए परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	26 से 28 फरवरी, 2018 तक	नई दिल्ली

वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए 8वां बैंक कार्यपालक कार्यक्रम -राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फ़ाइननैन्स और बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से	13 से 17 फरवरी, 2018 तक	राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्थान, पुणे

संस्थान समाचार

बैंकों में क्षमता निर्माण

भारतीय रिजर्व बैंक ने 11 अगस्त, 2016 की अपनी अधिसूचना के द्वारा यह अनिवार्य कर दिया है कि प्रत्येक बैंक के पास परिचालन के प्रमुख क्षेत्रों में उपयुक्त योग्यता/प्रमाणन सहित कर्मचारियों को परिनियोजित करने के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक नीति होनी चाहिए। प्रारम्भिक तौर पर उन्होंने निम्नलिखित क्षेत्र अभिज्ञात किया है :

1. खजाना प्रबंधन : व्यापारी, मिड आफिस परिचालन।
2. जोखिम प्रबंधन : ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम, उद्यम-व्यापी जोखिम, सूचना सुरक्षा, चलनिधि जोखिम।
3. लेखांकन – वित्तीय परिणाम तैयार करना, लेखा-परीक्षा कार्य।
4. ऋण प्रबंधन : ऋण मूल्यांकन, श्रेणी-निर्धारण, निगरानी, ऋण संचालन।

कालांतर में भारतीय रिजर्व बैंक के निदेश पर भारतीय बैंक संघ ने उपयुक्त संस्थाओं एवं ऐसे पाठ्यक्रमों की पहचान के लिए एक विशेषज्ञ दल का गठन किया था, जो आवश्यक प्रमाणन प्रदान कर सकें। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैंस उनमें से एक तथा एकमात्र ऐसी

संस्था है जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अभिज्ञात चार में से तीन क्षेत्रों में उक्त प्रमाणन प्रदान

करती है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंक संघ को संबोधित तथा प्रति इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैंस को पृष्ठांकित दिनांक 31 मई, 2017 के अपने पत्र के तहत यह कहा है कि भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ के सहयोग से इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स द्वारा उपलब्ध कराया जाने वाला विदेशी मुद्रा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम ऐसे सभी बैंक कर्मचारियों, जो खजाना परिचालन सहित विदेशी मुद्रा परिचालन के क्षेत्र में कार्यरत है या कार्य करने के इच्छुक हैं, के लिए एक अनिवार्य प्रमाणन होगा।

संस्थान द्वारा खजाना परिचालन, जोखिम प्रबंधन और ऋण प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध कराये जाने वाले पाठ्यक्रम आनलाइन परीक्षा के साथ प्रकृति की दृष्टि से मिश्रित हैं जिसके बाद उनमें ऐसे अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिन्होंने आनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली है।

अभ्यर्थियों को ऋण प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमाणन प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से संस्थान ऋण प्रबंधन पर इसके नीचे वर्णित कार्यक्रम के अनुसार 74 केन्द्रों पर परीक्षाएँ आयोजित करेगा :

परीक्षा	परीक्षा की तिथि	पंजीकरण के लिए खुली अवधि
प्रमाणित ऋण व्यावसायिक	24-03-2018	09-02-2018 से 27-02-2018 तक
	28-04-2018	14-03-2018 से 29-03-2018 तक
प्रमाणित खजाना व्यावसायिक	24-03-2018	09-02-2018 से 27-02-2018 तक
	28-04-2018	14-03-2018 से 29-03-2018 तक
वित्तीय सेवाओं में जोखिम	24-03-2018	09-02-2018 से 27-02-2018 तक
	28-04-2018	14-03-2018 से 29 03-2018 तक

कृपया परीक्षा पंजीकरण और अधिक विवरण के लिए वेबसाइट www.iibf.org.in देखें।

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान ने सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए प्रमाणित ऋण परामर्शी (CCC) कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए 11 जुलाई, 2017 को भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) के साथ एक भागीदारी
करार किया। प्रमाणित ऋण परामर्शी बनने के इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों को इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स द्वारा संचालित सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों पर एक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।
उक्त परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लेने पर तथा उसके बाद भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा संचालित समुचित सावधानी जांच पूरी कर लेने के बाद अभ्यर्थी को प्रमाणित ऋण परामर्शी के रूप में
एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए नयी पाठ्यसामग्री

संस्थान ने 29 अप्रैल, 2017 को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए अपनी नयी पाठ्यसामग्री की शुरुआत की। उक्त पुस्तक बैंकिंग भ्रातृसंध के उद्योग विशेषज्ञों द्वारा जारी की गई। इस विषय पर
पहली परीक्षा जनवरी, 2018 में आयोजित की जाएगी।

आभासी कक्षा में समाधान

संस्थान ने आभासी कक्षा वाली विधि के माध्यम से प्रशिक्षण संचालित करने हेतु एक साफ्टवेयर अभिगृहीत किया है। यह साफ्टवेयर गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी लाये बिना संस्थान को प्रशिक्षार्थियों की काफी बड़ी संख्या तक प्रशिक्षण सामग्री प्रसारित करने में समर्थ बनाएगा। प्रमाणित ऋण अधिकारियों के लिए पहला आभासी कक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 से 11 तक सफलतापूर्वक संचालित किया गया तथा इस कार्यक्रम हेतु 53 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। जनवरी, 2018 माह में एक और आभासी कक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और इसमें 90 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। आशा की जाती है कि फरवरी, 2018 में दो अतिरिक्त आभासी कक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से प्रत्येक कार्यक्रम में 90 सहभागियों को प्रशिक्षित किया जा सकेगा।

मुंबई और कोलकाता स्थित संस्थान के स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ

वर्तमान में संस्थान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), ग्राहक सेवा और धन-शोधन निवारण/आतंकवाद के वित्तीयन का मुक़ाबला नामक अपने तीन पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक महीने के दूसरे और चौथे शनिवारों को मुंबई एवं कोलकाता स्थित स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ आयोजित करता है। जून से लेकर अगस्त तक आयोजित की जाने वाली इन परीक्षाओं के लिए अनलाइन पंजीकरण 8 मई, 2017 से आरंभ हो रहा है। अभ्यर्थीगण अपनी पसंद की परीक्षा की तिथि एवं केंद्र का चयन कर सकते हैं। पंजीकरण पहले आए, पहले पाये के आधार पर होगा। उपर्युक्त पाठ्यक्रमों का कार्यक्रम हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in.पर उपलब्ध है।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के जनवरी - मार्च, 2018 के आगामी अंक के लिए निर्धारित विषय-वस्तु है :
"बैंकों में साइबर सुरक्षा।" सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के तिमाही जर्नल में प्रकाशन हेतु आलेख भेज कर योगदान करें।

परीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों /महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान में इस बात की जांच करने के उद्देश्य से कि अभ्यर्थी अपने –आपको वर्तमान घटनाओं से अवगत रखते हैं या नहीं प्रत्येक परीक्षा में कुछ प्रश्न हाल की घटनाओं/ विनियामक/कों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के बारे में पूछे जाने की परंपरा है। हालांकि, घटनाओं/दिशानिर्देशों में प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की तिथि से और वास्तविक परीक्षा तिथि के बीच की अवधि में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इन मुद्दों का प्रभावी रीति से निराकरण करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि :

(i) संस्थान द्वारा फरवरी, 2017 से जुलाई, 2017 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 31 दिसंबर, 2016 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

(ii) संस्थान द्वारा अगस्त, 2017 से जनवरी, 2018 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों

और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 30 जून, 2017 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नई पहलकदमी

सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास मौजूद उनके ई-मेल पते अद्यतन करा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दे।

आईआईबीएफ विजन के स्वामित्व और अन्य विवरणों से संबन्धित वर्णन
इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स का जर्नल

1. प्रकाशन स्थल	: मुंबई
2. प्रकाशन की आवधिकता	: मासिक
3. प्रकाशक का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070
4. संपाद्क का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070
5 प्रिन्टिंग प्रेस का नाम	: आनलुकर प्रेस, 16 सासून डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 005

6. स्वामियों के नाम एवं पता : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1,
किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

मैं, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र, एतदद्वारा यह घोषणा करता हूं कि ऊपर दिये गए विवरण मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

13

31.03.2017 डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र
प्रकाशक के हस्ताक्षर

समाचार पंजीयक के पास आरएनआई संख्या 6928/1998 के अधीन पंजीकृत

बाजार की ख़बरें

भारित औसत मांग दरें

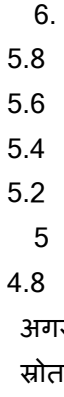

अगस्त, 2017, सितंबर, 2017, अक्तूबर, 2017, नवंबर, 2017, दिसंबर, 2017, जनवरी, 2018
स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम न्यूजलेटर, जनवरी, 2018

भारतीय रिजर्व बैंक की संदर्भ दर

अमरीकी डालर

55 जीबीपी

50 यूरो

येन

अगस्त, 2017, सितंबर, 2017, अक्तूबर, 2017, नवंबर, 2017, दिसंबर, 2017, जनवरी, 2018

स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)

14

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

12

10

8

6

4

2

0

जुलाई, 2017, अगस्त, 2017, सितंबर, 2017, अक्तूबर, 2017, नवंबर, 2017, दिसंबर, 2017

स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, जनवरी, 2018

बंबई शेयर बाजार सूचकांक

38000

36000

34000

32000

30000

28000

26000

अगस्त, 2017, **सितंबर, 2017, अक्तूबर, 2017, नवम्बर, 2017, दिसंबर, 2017, जनवरी, 2018**

स्रोत : बंबई शेयर बाजार (BSE)

समग्र जमा वृद्धि %

11

9

7

5

3

1

जुलाई, 2017, अगस्त, 2017, सितंबर, 2017, अक्तूबर, 2017, नवंबर, 2017, दिसंबर, 2017

स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, जनवरी, 2018

15

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा मुद्रित, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स की ओर से प्रकाशित तथा आनलुकर प्रेस, 16 सासुन डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम),,मुंबई – 400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल,
किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), ,मुंबई – 400 070
टेलीफोन : 91-22-2503 9604/ 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : admin@iibf.org.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.

आईआईबीएफ विजन फरवरी, 2018